शंकुधारी वृक्षों में कीट एवं रोगों के प्रबंधन के लिए पर्यावरण हितैषी तरीके

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला द्वारा **भारत का अमृत महोत्सव** के अंतर्गत 15 फरवरी,2022 को कोट शिलारू, त° ठियोग, जिला - शिमला, हिमाचल प्रदेश में "**शंकुधारी वृक्षों में कीट एवं रोगों के प्रबंधन के लिए पर्यावरण हितैषी तरीके**" बिषय पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया ।इस कार्यक्रम में कोट शिलारू की पंचायतों से 50 ग्रामीणों ने भाग लिया,जिसमें पंचायत प्रतिनिधि, महिला एवं युवक मण्डल के सदस्य थे ।**डॉ. संदीप शर्मा,प्रभारी निदेशक**,हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान शिमलाने कार्यक्रमका बिधिवत उदघाटन किया । उन्होनें आशा जताई कि कार्यक्रम से जुड़े सभी लोग लाभान्वित होंगे । अपने व्यक्तव्य में उन्होनें शंकुधारी वृक्षों एवं स्थानीय प्रजातियों को विकसित करने संबंधी तकनीकों पर जानकारी दी ।**डॉ. जगदीश सिंह,वैज्ञानिक-एफ°**,प्रभागाध्यक्ष, विस्तार प्रभाग ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया एवं अमृत महोत्सव के इस कार्यक्रम के उद्देश्य के बारे में बताया ।**डॉ° पवन कुमार,वैज्ञानिक-ई**, ने शंकुधारी वृक्षों में लगने वाले कीटों एवं उनके प्रबंधन के लिए उपयोग में आए जाने वाले पर्यावरण हितैषी तरीकों पर विस्तृत जानकारी प्रतिभागियों के साथ सांझा की। **डॉ° अश्वनी तपवाल,वैज्ञानिक-एफ़**, **ने** शंकुधारीवृक्षों में लगने वाली फफूंद के बारे में विस्तृत जानकारी प्रतिभागियों के साथ सांझा की तथा उनके लक्षण एवं उनसे बचाव के तरीकों के बारे में अवगत करवाया । इसके अलावा, उन्होने वृक्षों में लगने वाले बैक्टीरिया, वाइरस इत्यादि तथा उनसे बचने के लिए जैव नियंत्रण विषय पर भी विस्तृत जानकारी दी। अंत में उन्होने नर्सरी में पौधों के विकास में माइकोराइजा की भूमिका पर भी प्रकाश डाला । **डॉ° पवन कुमार,वैज्ञानिक-ई**ने आयोजन से जुड़े सभी लोगों के प्रयासों की सरहाना की तथा सभी वक्ताओं के योगदान को संक्षेप में बताते हुये उनका धन्यवाद दिया ।

Abiotic factor that affect the health of trees

Azadi ka Amrit Mahotsav
(आजादी का अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य पर)
शंकुधारी वृक्षों में कीट एवं रोगों के प्रबंधन के लिए
पर्यावरण हितैषी तरीकों पर प्रशिक्षण कार्यक्रम
दिनांक 15 फरवरी, 2022

Azadi ka Amrit Mahotsav